DPL–01

December – Examination 2020

Diploma in Prakrit Language Examination

प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत साहित्य की विविध विधाएँ

Paper : DPL-01

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) अर्धमागधी प्राकृत में कितने प्रकार के शब्द पाए जाते हैं ?

(ii) तिलोयपण्णति किस कवि की रचना है ?

(iii) वज्जालग्ग से क्या आशय है ?

(iv) तिलोयण्णपत्ति' किनकी रचना है ?

(v) वररुचि ने किस ग्रन्थ में पैशाची का वर्णन किया है ?

(vi) वर्तमान काल अन्य पुरुष में 'दि' तथा 'दे' प्रत्यय किस भाषा में होते हैं ?

(vii) प्राकृत के किस महाकाव्य को दशमुखवध कहा जाता है ?

(viii) गउडवहो ग्रन्थ किस छन्द में निबद्ध है ?

(ix) लीलावई के नायक का नाम लिखिए।

(x) कंसवहो किस तरह का काव्य है ?

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×20=80**

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. स्वप्नवासवदत्त में प्राकृत के कतिपय प्रयोग पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

3. सेतुबन्ध महाकाव्य का अंगीरस क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

4. कवि कौतुहल के रचनाकाल की समीक्षा कीजिए।

5. लज्जावग्ग के आधार पर आदर्श नारी के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

6. सूत्रकृतांगनिर्युक्ति का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. बृहत्कल्पभाष्य का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. उद्वर्तना तथा अपवर्तना करण में अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

9. वसुदेवहिण्डी कहा के कथोत्पत्ति को संक्षेप में समझाइये।